सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 8 ● अंक: 311 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 22 दिसम्बर, 2022

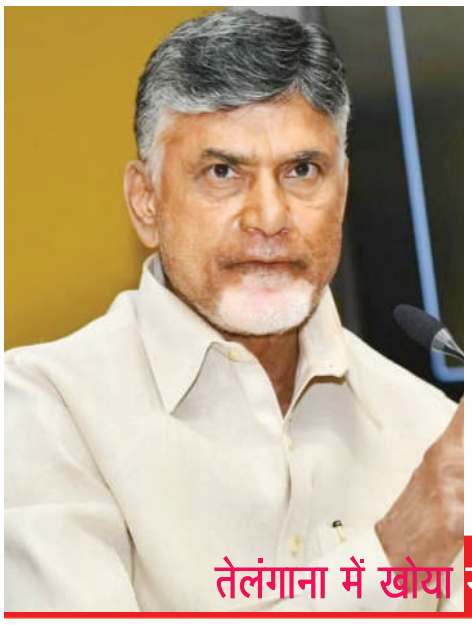

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है, ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं।

-स्वामी विवेकानंद

तेलंगाना में खोया गौरव फिर हासिल... 8 | खट्टा-मीठा रहा भाजपा के लिए... 3 | दिल्ली और कई राज्यों में कल... 7

यह है इन्वेस्टर मीट का सच

जो विश्वविद्यालय चलता है एक छत के नीचे उससे यूपी के अफसरों ने कर लिया पैंतीस हजार करोड़ का एमओयू

» पहले भी इन्वेस्टर समिट के नाम पर होते रहे हैं हजारों करोड़ के फर्जी एमओयू हस्ताक्षर

संजय शर्मा

लखनऊ। यूपी के अफसर अपने नए-नए कारनामों के लिए दुनिया भर में चर्चित रहते हैं। इस बार इन अफसरों ने ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के नाम पर जो गुल खिलाये है, उसने दुनिया भर में न सिर्फ यूपी बल्कि भारत की भी मजाक उड़ा दी है। यूपी के मंत्री और इंडस्ट्री विभाग के सबसे बड़े अफसर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक ऐसे विश्वविद्यालय से पैंतीस हजार करोड़ का करार कर आए है, जो एक ही छत के नीचे चलता है। देश की जानी-मानी पत्रकार रोहिणी सिंह के इस खुलासे के बाद हड़कंप मच गया और लोग कहने लगे कि पिछली इन्वेस्टर्स समिट की तरह इस बार भी समिट के नाम पर धोखा धड़ी की जा रही है। अफसरों और मंत्रियों के विदेश दौरे पर करोड़ों रुपया खर्च हो गया और जो कागजों में करार करके प्रदर्शित किया गया उतना तो यूपी का बजट भी नहीं हैं। इस गोलमाल के खुल जाने के बाद यह साफ हो गया कि इन्वेस्टर्स समिट में जो एमओयू किए जाते हैं हकीकत में वो जमीन पर नहीं उतरते है और मीडिया मैनेजमेंट के नाम पर एक बड़ा खेल हो जाता है।

यूपी के दर्जनभर मंत्री डिप्टी सीएम और अफसरों के साथ दुनिया के अलग-अलग देशों में जा रहे हैं यूपी के औद्योगिक विकास विभाग ने इन देशों में फर्जीवाड़े की कहानी पहले ही लिख ली थी न ये कोई नया मामला नहीं है इन्वेस्टर समिट वन और टू में भी इस तरह के दर्जनों खेल सामने आए। यूपी के एक चर्चित समाजसेवी नए इन्वेस्टर्स समिट में 200 करोड़ रुपया का एमओयू साइन करके यूपी में निवेश की बात कही जबकि लखनऊ के कई होटलों में उनके चेक तक बाउंस हो गए और आज तक उन्होंने कोई निवेश नहीं किया। ये अकेला मामला नहीं है ऐसे दर्जनों मामले सामने आए और आरटीआई में पूछने पर भी कोई जवाब नहीं दिया गया। दरअसल इन्वेस्टर्स समिट के नाम पर ऑफिसर करोड़ों का गोलमाल करते हैं और ऐसे फर्जी एमओयू बनाकर मीडिया में ऐसा माहौल बनाते हैं जैसे यूपी में हजारों करोड़ का निवेश होने जा रहा है। इससे में सरकार को अपनी ब्रांडिंग करने में फायदा मिलता है। इसी जोश में औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार जो पहले भी भ्रष्टाचार के कई मामलों में चर्चा में रहे हैं उन्होंने अमेरिका में नया गुल खिला दिया। वित्त मंत्री सुरेश खन्न और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के साथ एक फोटो तो लगाते हुए ट्वीट किया गया कि ऑस्टिन यूनिवर्सिटी यूपी में 5000 एकड़ में नॉलेज सिटी बनाएगी और इसकी लागत लगभग 35 हजार करोड़ रुपया होगी। इस ट्वीट के बाद भी यूपी में भाजपा के नेताओं ने सरकार की तारीफ में कसीदे पढ़ना शुरू कर दी है और कहना शुरू किया कि यूपी सरकार की ब्रांडिंग के चलते है। दुनिया भर के लोग यूपी में आने को तैयार हो रहे हैं। ये सब बातें लोग हकीकत में मानते रहते अगर देश की जानी-मानी पत्रकार रोहिणी सिंह इस मामले का खुलासा नहीं करती! उन्होंने ट्वीट करके खुलासा किया कि ये एक स्कैम है।

लेकिन ये एक ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी बेबसाइट पर सिर्फ 25 स्टाफ है और यह खुद एक बिजली इस्पात में बनी हुई है कि उन्होंने अपने ट्वीट में इसके दस्तावेज भी लगा दिए। रोहिणी के इस खुलासे के बाद हड़कंप मच गया! इस फजीहत के बाद अब यूपी सरकार ने कहा कि उसने ऑस्टिन यूनिवर्सिटी से नहीं बल्कि ऑस्टिन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ ये समझौता किया है। अमेरिका से मिली जानकारी के मुताबिक वहां की सरकार ऑस्टिन यूनिवर्सिटी के लाइसेंस को पहले ही रद्द कर चुकी है।

इसे 211 में प्राइवेट एजुकेशन इंस्टिट्यूट चलाने की अनुमति मिली थी। मगर इसे आठ दिसंबर 2022 को रद्द कर दिया और इस पर 9000 से ज्यादा का जुर्माना भी लगाया गया है। जाहिर है कि ये यूपीए सरकार का एमओयू एक फर्जीवाडे के अलावा कुछ और नहीं लगता। इस फजीहत के बाद बताया जाता है कि योगी आदित्यनाथ भी बेहद नाराज हैं और जल्दी ही इसकी गाज कुछ अफसरो पर गिर सकती है।

एक ऐसा विश्वविद्यालय यूपी में करेगा निवेश जिसके यहां सिर्फ पच्चीस लोगों का है स्टाफ

इन्वेस्टर समिट के नाम पर विदेश मे घूमने के लिये फूंक दिये जनता के करोड़ों के टैस के पैसे

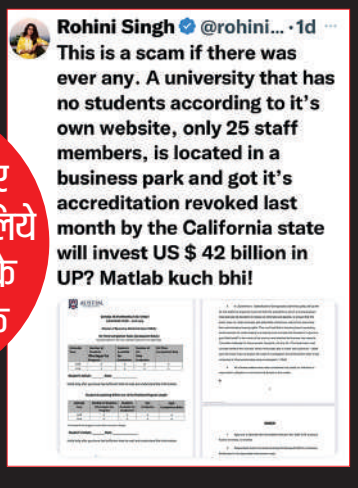

Rohini Singh @rohini... ·1d
This is a scam if there was ever any. A university that has no students according to it's own website, only 25 staff members, is located in a business park and got it's accreditation revoked last month by the California state will invest US $ 42 billion in UP? Matlab kuch bhi!

25 लोगों का स्टाफ है इस विश्वविद्यालय की बेबसाइट पर

"पिछले पांच साल की योगी सरकार में जितने एमओयू किये गये थे उनमें से कोई लागू नहीं हुआ है। अखबार की खबर बनाकर केवल लोगों को गुमराह करने का काम प्रदेश में किया जा रहा है। यह सरकार जनता से धोखा कर रही है।

राजेंद्र चौधरी राष्ट्रीय प्रवता, सपा

"यूपी में ब्रांडिंग की सरकार है और योगी जी ब्रांडिंग के ही नेता है। जनता और युवाओं के साथ एमओयू धोखा है और दिखावा मात्र है। यह सब ऊंची दुकान और फीके पकवान के सिवा कुछ नहीं।

अजय कुमार लल्लू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस

"योगी सरकार झुठी घोषणाएं करती है धरातल पर कहीं कुछ नहीं उतरा है। घोषणाओं की सरकार यूपी में चल रही है जनता की नहीं। केवल जनता को छल ने का काम हो रहा है।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव/प्रवता, रालोद

"इन्वेस्ट लाने के नाम पर सरकार धोखा कर रही है। जिस विश्वविद्यायल में छात्र ही न हो उसके साथ इतना बड़ा एमओयू होना खुद में एक झूठ है। जनता को केवल इन्वेस्टर समिट के नाम पर गुमराह किया जा रहा है।

नीलम यादव, प्रदेश अध्यक्ष (महिला), आप

"मुझे इस विषय की जानकारी नहीं है। मगर किसी के नियम-मानक पूरे नहीं है तो निश्चित ही यह जांच का विषय है। इस मामले में पूरी जानकारी के बाद ही कोई विधिवत बयान दूंगा।

कुमार अशोक पांडेय, प्रवता, भाजपा

सरकार निवेश के नाम पर जनता को न करे गुमराह : अखिलेश

» किसानों की दोगुनी आय का भी वादा पूरा नहीं कर सकी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार निवेश के नाम पर जनता को गुमराह न करे। पूरा मंत्रिमंडल और आला अफसर पिछले दिनों विदेश में निवेश के लिए रोड-शो में व्यस्त रहे, परंतु अब तक सिर्फ कागजी एमओयू ही बटोरे जा सके हैं, धरातल पर कुछ नहीं दिख रहा।

भाजपा सरकार का इस मामले में पिछला ट्रैक रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। पिछले पांच वर्षों में निवेश के लिए कई इन्वेस्टमेंट समिट हुए लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा है। भाजपा सब्जबाग तो खूब दिखा रही है पर जमीन पर कुछ नजर नहीं आया। अखिलेश ने बुधवार को कहा कि भाजपा ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने का वादा किया था, किंतु यह वादा भी सरकार पूरा नहीं कर सकी। भाजपा सरकार की जब सार्वजनिक किरकिरी होने लगी तो अब वह किसानों की आय दोगुणा करने के वादे को निभाने के लिए फ्रांस की एक कंपनी से करार करने जा रही है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि निवेश की वास्तविक रिपोर्ट आगामी विधानसभा सत्र में सदन के पटल पर रखें। समाजवादी सरकार के समय राजधानी लखनऊ में ही आइटी सिटी, अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम, मेट्रो रेल, मेदांता अस्पताल, अमूल मिल्क प्लांट, नोएडा में सैमसंग मोबाइल प्लांट जैसे तमाम निवेश हुए जो जमीन पर दिखाई दे रहे हैं।

ठंड से जनता को बचाने के नहीं सरकारी इंतजाम

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों को ठंड से बचाने के लिए कोई काम नहीं कर रही है। शीतलहर ने गरीबों के लिए और ज्यादा मुसीबतें खड़ी कर दी हैं। अस्पतालों, रेल व बस स्टेशनों पर तमाम लोग बिना किसी आश्रय के ठंड में रात भर ठिठुरने को मजबूर हैं। दिन प्रतिदिन बिगड़ते हालात के बावजूद प्रशासकों की संवेदनाएं नहीं जाग रही हैं। अखिलेश ने कहा कि शीत के प्रकोप से कंपकंपाते हजारों लोग प्रदेश में जीवन भरण के लिए संघर्ष में रातें काट रहे हैं। अभी तक प्रशासन की ओर से अलाव जलाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। गरीबों को समय से कंबल बांटने का भी काम शुरू नहीं हो पाया है। जब लोग ठंड से ठिठुरने लगे हैं तब कंबल खरीद का आदेश जारी हो रहा है। यह खरीद कब होगी और इसमें कंबलों की गुणवत्ता का क्या हाल होगा?

कोरोना पर प्रदेश में भी बढ़ी सतर्कता

विदेश से आने वालों की होगी जांच : पाठक

» एयरपोर्ट के साथ रेलवे स्टेशन पर भी अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच देशों में तेजी से बढ़ रही कोरोना मरीजों की संख्या को देखते हुए प्रदेश में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चीन, जापान, अमेरिका, कोरिया व ब्राजील से आने वालों की एयरपोर्ट पर कोरोना जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

कहा कि ऐसे लोगों की 14 दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा निगरानी की जाए। लोगों को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाए। कोरोना पाजिटिव लोगों के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए प्रयोगशाला भेजा जाए ताकि कोरोना के नए वैरिएंट का पता लगाया जा सके। केंद्र की गाइडलाइन जारी होते ही ब्रजेश पाठक ने सभी जिलों के सीएमओ व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बचाव के हर संभव उपाय किए जाने के निर्देश दिए। एयरपोर्ट के साथ रेलवे स्टेशन व बस स्टेशन पर भी कोरोना जांच के इंतजाम होंगे। कहा कि अस्पतालों में कोरोना की आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था के साथ-साथ आक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, सीटी स्कैन, एक्स-रे व पैथोलाजी जांच से जुड़ी सभी व्यवस्था समय रहते पूरी कर ली जाएं।

धर्म के नाम पर कुछ लोग भारत को तोड़ना चाहते हैं : नसीमुद्दीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि कुछ लोग भारत को तोड़ना चाहते हैं। वह धर्म, इतिहास, मंदिर, मस्जिद के नाम पर लोगों का दिमाग बांटने के लिए धार्मिक उन्माद पैदा कर रहे हैं, ताकि बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के शोषण पर ध्यान न जाए। इसलिए पूरे भारत को जोड़ने के लिए राहुल गांधी 7 सितंबर 2022 से कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा पर हैं।

गत दिनों मुरादाबाद पहुंची भारत जोड़ो यात्रा में नसीमुद्दीन कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरणा लेकर ही प्रदेश के 6 जोन में प्रांतीय भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। तिरंगे झंडे को सलामी देकर

मुरादाबाद में प्रांतीय भारत जोड़ो यात्रा नसीमुद्दीन की अगुवाई में शुरू हुई। मुरादाबाद में प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा गांधी मूर्ति से जेल रोड, गंज बाजार, अमरोहा गेट, भूड़ा चौराहा, ईदगाह, जिगर द्वार दस सराय चौकी, करुला होते हुए कोहिनूर तिराहे पर समाप्त हुई।

राहुल के मंच पर साथ दिखे पर दिल नहीं मिले

» अशोक गहलोत-सचिन पायलट के बीच दूरी कम हुई पर सियासी अदावत बनी कांग्रेस की परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राजस्थान कांग्रेस के दोनों दिग्गज नेताओं ने शांति कायम रखी और राज्य में राहुल की यात्रा बिना किसी बड़े सियासी विवाद और बयानबाजी के पूरी हो गई।

सियासी जानकार मानते हैं कि राहुल गांधी की पहल से अशोक गहलोत-सचिन पायलट विवाद ठंडे बस्ते में गया है, मगर यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। दोनों के बीच जारी सियासी अदावत से कांग्रेस परेशान है, क्योंकि अगले साल राजस्थान में चुनाव होने हैं। उसके बाद ही लोकसभा चुनाव भी सिर पर है। बता दें कि दो दिन पहले कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान चरण पूरा हो गया है। इसका सबसे

अहम पहलू राहुल गांधी की मौजूदगी में सीएम अशोक गहलोत व उनके प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट के बीच आमने-सामने बैठक रही। इसमें राहुल ने दोनों के बीच मतभेद खत्म करने की पहल की। हालांकि, राजस्थान के दोनों दिग्गज कांग्रेस नेताओं के बीच अभी भी तलवारें खींची हुई हैं। अगले कुछ दिनों में कांग्रेस अनुशासन समिति राजस्थान मामले में 24 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेगी। इसके बाद पार्टी कोई कदम उठा सकती है।

राहुल की हिदायत के बाद बनी शांति

गहलोत-पायलट में तनाव खत्म करने व सुलह कराने के लिए राहुल गांधी ने अलवर के सर्किट हाउस में करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की थी। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और कुछ चुनिंदा मंत्री मौजूद रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने गहलोत और पायलट को शांत रहने की सख्त हिदायत दी। राहुल ने कहा कि जो पार्टी के लिए मेहनत करेगा, उसे मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कौन क्या कर रहा है, यह सबको पता है। उधर, राहुल गांधी ने राजस्थान के मंत्रियों को हर महीने 15 किलोमीटर पैदल चलने का टास्क सौंपा है। राहुल के इस सुझाव को मंत्रियों के जनता से संवाद नहीं करने से जोड़कर देखा जा रहा है।

इसकी वजह गहलोत-पायलट के बीच अंदरखाने तनाव से पार्टी की टेंशन बढ़ना है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के दौरान राज्य में शांति भंग हुई थी। इसकी वजह गहलोत का पायलट को गद्दार कहना भी था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

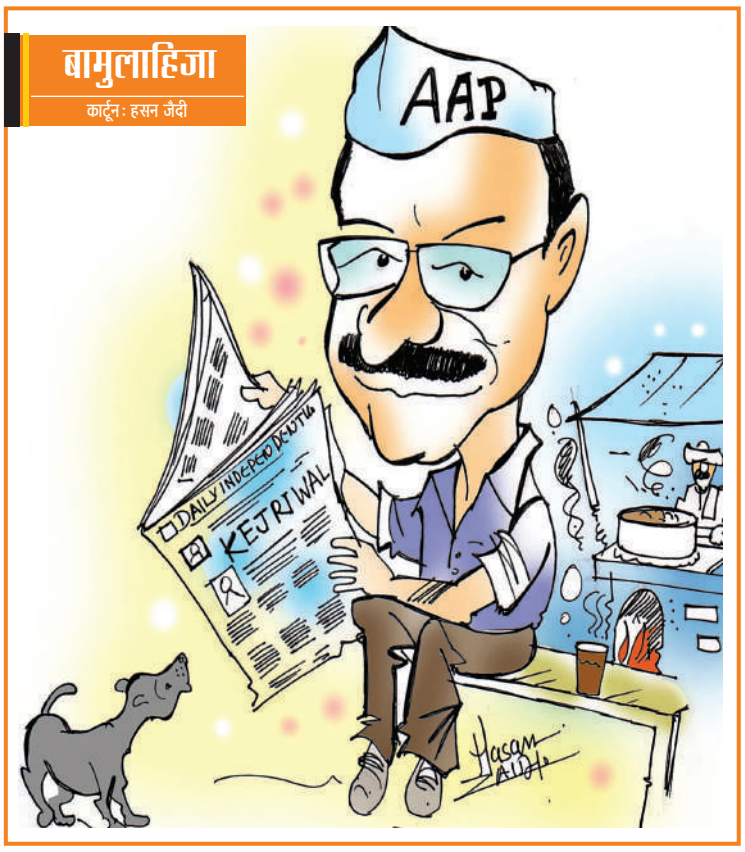

मदरसों में रविवार की छुट्टी का धर्मगुरुओं ने किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मदरसा बोर्ड बैठक में मदरसों में शुक्रवार की जगह रविवार को अवकाश किए जाने के प्रस्ताव पर धर्मगुरुओं ने आपत्ति जताई है। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यासूब अब्बास ने इस प्रस्ताव पर कड़ा एतराज किया है।

दारुल उलूम फिरंगी महल के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी ने इसपर आपत्ति जताते हुए कहा कि जुमे के बजाय इतवार को छुट्टी करने का सुझाव सही नहीं होगा, क्योंकि मदरसों में पढ़ने वालों को इमामत भी करनी होती है और जुमे के भी काम अंजाम देने होते हैं, इसलिए मदरसा

बोर्ड की तरफ से मदरसों की छुट्टी जुमे को ही रखा जाए तो बेहतर है। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि मदरसा बोर्ड को लेकर जो प्रस्ताव पास किए गए हैं, उस पर मैं ऐतराज करता हूं। जुमे के दिन की छुट्टी को इतवार में किए जाने पर का मैं विरोध करता हूं। अगर मदरसों की छुट्टी रविवार को होने लगी तो मदरसों और सरकारी स्कूलों में फर्क क्या रह जाएगा।

A leading term of sale & utility services
G.K.TRADERS
Sales & Services
HAVELLS
RR KABEL WIRES & CABLES
PHILIPS
USHA
Havell's, RR Switch, CAP, USHA PUMP & FAN, Phillips and all kind of Electrical Goods.
G.K.TRADERS
Sales & Services
TAKHWA, VIRAJ KHAND-5, Gomti Nagar, Lucknow -226010
Contact : 9335016157, 9305457187

खट्टा-मीठा रहा भाजपा के लिए 'बाइस'

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश-गुजरात रखा बरकरार हिमाचल प्रदेश और दिल्ली एमसीडी गंवाया

» सात राज्यों के विस चुनाव में पांच में दोहराई सरकार, पर दो प्रदेशों में हुई करारी हार

परवेज़ त्यागी

लखनऊ। साल 2022 भारतीय जनता पार्टी के लिए खट्टे-मीठे अनुभव से भरा रहा। भाजपा की जहां वर्ष की शुरूआत सियासी लिहाज से शानदार रही थी, वहीं आखिर में कुछ कड़वे घूंट भी पार्टी को पीने पड़ गए। हालांकि की बीजेपी के लिए करिश्माई कहलाने वाली मोदी-शाह की जोड़ी ने गुजरात में बड़ी जीत दर्ज कर कांग्रेस के सबसे बेहतर प्रदर्शन के रिकार्ड को तोड़ दिया है, जो पार्टी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

गौरतलब है कि इस साल देश के सात राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव हुए हैं। इनमें से पंजाब को छोड़कर बाकी सभी छह राज्यों में भाजपा की पहले से सरकार थी। इस बार भाजपा की छह के बजाए पांच राज्यों में पुन: सरकार बनीं है, मगर बीजेपी के हाथ से हिमाचल प्रदेश की सत्ता चली गई। हिमाचल में भाजपा के इतिहास बदलने के सारे दावें फेल हो गए। भाजपा की हिमाचल हार की टीस को गुजरात की बंपर जीत भी कम नहीं कर सकी। जबकि गुजरात में इस बार कमल ने कमाल का प्रदर्शन किया है। अगर बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन की करें, तो पिछले चुनाव में 77 सीटों पर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस को महज 17 सीटों पर भाजपा ने इस बार समेट दिया। वहीं, सरकार बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी खाता खोलने में तो कामयाब रही, मगर आम आदमी पार्टी के सभी चुनावी दावें धराशायी हो गए। भाजपा पिछले चुनाव में गुजरात में जीती जरुर थी, मगर उसकी सीटों का ग्राफ गिर गया था और 100 का आंकड़ा पार्टी पार नहीं कर पायी थी। वहीं, इस बार के चुनाव में 155 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की है। हालांकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा को जीतने वाली भाजपा इन्हीं राज्यों के साथ हुए पंजाब के चुनाव में फिर से फ्लाप रही।

राज्य	चुनाव	सत्ता
उत्तर प्रदेश	विस	भाजपा
उत्तराखंड	विस	भाजपा
पंजाब	विस	आप
गोवा	विस	भाजपा
मणिपुर	विस	भाजपा
गुजरात	विस	भाजपा
हिमाचल प्रदेश	विस	कांग्रेस
दिल्ली	एमसीडी	आप

देवभूमि और एमसीडी कमल से छीनीं

बाइस में भाजपा को बड़ा झटका देवभूमि यानी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और देश का दिल कहलाने वाली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगा है। दोनों जगहों पर चुनाव में भाजपा के हाथ से क्रमश: कांग्रेस और आप ने सत्ता छीन ली। देवभूमि पर विधानसभा के चुनावी मैदान में कांग्रेस के पंजे ने कमल को मुरझा दिया। कांग्रेस ने 40 सीटें जीतकर पहाड़ पर पंजे की सरकार बना ली। हिमाचल राज्य में भाजपा को 25 सीटें मिली हैं। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी की झाड़ू कमल पर भारी पड़ गई। 250 सीटों वाली एमसीडी में आप के 134 पार्षद विजयी हुए जबकि भाजपा को 104 सीटें मिली। दिल्ली एमसीडी 15 सालों से भाजपा के पास थी, मगर इस बार हार से उसे दिल्ली की राजनीति में आप से एक और झटका लग गया। जबकि दोनों जगहों पर ही पिछला भाजपा ने जीतकर सरकार बनाई थी। साल 2022 के चुनाव में दिल्ली और हिमाचल की सत्ता को गंवा दिया है।

बसपा का सियासी दांव... उखाड़ेगा बीजेपी के निकाय चुनाव में पांव!

» बेदाग छवी के नेताओं को पार्टी आगे कर चुनाव में चाहती है बेहतर प्रदर्शन

हयात अब्बास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब जल्द ही निकाय चुनाव होने वाले है। सभी पार्टियां अपनी-अपनी तैयारी में जुट गयी है। बात करें बसपा की तो पार्टी ने अपनी रणनीति बदल ली है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद बसपा निकाय चुनाव में एक नया फार्मूला अपनाने जा रही है। ऐसे में पार्टी बेदाग छवी के नेताओं को अपनी पार्टी का हिस्सा बनाना चाहती है जिससे वह चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर सके। इसी के चलते अब बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को विश्वनाथ पाल को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार आगामी शहरी निकाय चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। एक ट्वीट में बसपा अध्यक्ष ने कहा कि पाल को भीम राजभर के स्थान पर राज्य इकाई का नया अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या निवासी विश्वनाथ पाल को उत्तर प्रदेश राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है, उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

राजभर को बिहार का पार्टी समन्वयक बनाया गया है। मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए बसपा के उत्तर प्रदेश संगठन में बदलाव किया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में कभी बहुजन समाज पार्टी जबरदस्त प्रभाव रखती थी। लेकिन बीते कुछ चुनावों में पार्टी को लगातार हार हाथ लगी है। बात करें 2007 की तो आखिरी बार बहुजन समाज पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। यह सरकार 2012 तक चली और उसी साल समाजवादी पार्टी ने चुनाव जीता और अखिलेश यादव राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव के वक्त भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए बसपा ने सपा से हाथ भी मिलाया लेकिन नतीजा कुछ खास नहीं निकला।

लोस में बसपा को मिलीं थी सपा से अधिक सीटें

सपा-बसपा गठबंधन में ज्यादा सीटें बसपा के पास ही आई थीं। इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा का सिर्फ एक विधायक जीत सका। अब माना जा रहा है कि राज्य में नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही भविष्य में कुछ और बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं। 2023 के निकाय चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी बड़ी रणनीति पर काम कर सकती है जिससे वोट के आधार को फिर बढ़ाया जा सके। बात करें 2022 की तो यूपी विधानसभा चुनाव का परिणाम बहुजन समाज पार्टी के लिए चौंकाने वाला था। प्रदेश में 22 प्रतिशत दलित वोटर हैं। बसपा को 2022 में लगभग 13 प्रतिशत वोट मिले और ये आकंड़ा 1993 के बाद का सबसे कम आंकड़ा था।

सबसे खराब दौर से गुजर रही बसपा

एक सीट के साथ बसपा अब तक के अपने सबसे खराब दौर में पहुंच गई। इससे साफ है कि पार्टी का बेस वोटर उससे दूर हो गया है। ऐसे में बसपा की आगे की राह भी बहुत मुश्किल होगी। वहीं 2024 से पहले मायावती ने निकाय चुनाव में एक दांव खेला है उन्होंने श्ड्ढ वोट बैंक और मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की है दअसल उन्होंने निकाय चुनाव में पाल बारादरी के विश्वनाथ पाल को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है वो देखना चाहती है कि उनको निकाय चुनाव में कैसा रिस्पांस मिलता है जिसके बाद 2024 में वो श्ड्ढ नेताओं को आगे कर सकती है। राम नगरी के विश्वनाथ पाल को चुनकर उन्होंने श्ड्ढ वोट बैंक को साधने कि कोशिश की है इस तरह मायावती ने बीजेपी को राम नगरी से सीधी टक्कर देने की ठान ली है। वो मुस्लिम और दलित वोट बैंक से एक बार फिर बसपा का भविष्य बदल सकतीं हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शराबबंदी से राहत पर लगाम नहीं

विडंबना यह है कि पिछले कुछ सालों में जहरीली शराब पीकर लोगों के मरने की घटनाओं का सिलसिला चल रहा है, लेकिन राज्यों की सरकारें इस त्रासदी पर काबू पाने का कोई ठोस रास्ता नहीं निकाल सकी हैं। होता बस यह है कि जब भी जहरीली शराब से मौतों की कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तब पुलिस-प्रशासन की ओर से सख्ती बरतने की कवायद तेज कर दी जाती है, भविष्य में ऐसा नहीं होने देने का आश्वासन दिया जाता है।

बिहार और गुजरात राज्य में शराबबंदी को सरकारें अपनी एक बड़ी उपलब्धि बताती हैं। लेकिन राज्यों में अगर जहरीली शराब पीने से अक्सर लोगों की मौत की घटनाएं सामने आए तो उसके लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा? स्वाभाविक ही ऐसी घटनाओं पर न केवल राज्य में व्यापक चिंता जताई जाती है, बल्कि सरकारें सवालों के कठघरे में है कि अगर वह शराब पर प्रतिबंध को समाज के हित में मानती है तो उसे ठीक से लागू करना किसकी जिम्मेदारी है! विडंबना यह है कि पिछले कुछ सालों में जहरीली शराब पीकर लोगों के मरने की घटनाओं का सिलसिला चल रहा है, लेकिन राज्यों की सरकारें इस त्रासदी पर काबू पाने का कोई ठोस रास्ता नहीं निकाल सकी हैं। होता बस यह है कि जब भी जहरीली शराब से मौतों की कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तब पुलिस-प्रशासन की ओर से सख्ती बरतने की कवायद तेज कर दी जाती है, भविष्य में ऐसा नहीं होने देने का आश्वासन दिया जाता है।

सच यह है कि कुछ दिनों की सक्रियता के बाद संबंधित महकमे शायद यह भूल जाते हैं कि इस मोर्चे पर उन्हें क्या करना है। वरना क्या वजह है कि कानूनी तौर पर शराब की बिक्री पर सख्त पाबंदी लागू है, लेकिन इसकी अहमियत सिर्फ दस्तावेजों में ही दिखती है। आए दिन ऐसे आरोप सामने आते हैं कि शराबबंदी वाले राज्यों में शराब की कालाबाजारी होती है और जिसे जरूरत होती है, वह गैरकानूनी तरीके से इसे हासिल कर लेता है। सवाल है कि किसी भी व्यक्ति को ज्यादा कीमत चुका कर शराब कहां से मिल पाती है! आखिर शराब बेचने वाला कहीं से और किसी रास्ते से लेकर ही गया होता है! जो पुलिस और संबंधित महमके किसी बड़े इलाके के कोने में छिप कर चलाई जा रही गतिविधियों पर काबू पाने का दावा करते रहते हैं, उनकी नाक के नीचे अवैध रूप से शराब की खरीद-बिक्री कैसे चलती रहती हैं? दरअसल, केवल किसी मसले पर कानूनन प्रतिबंध की घोषणा से उस समस्या पर काबू नहीं पाया जा सकता। उसे लागू करने के लिए एक व्यापक तंत्र और उसके नियम-कायदों से ईमानदार सरोकार रखने वाले लोगों की जरूरत होती है। यह बात सही है कि गुजरात हो या बिहार शराबबंदी से बड़ी तादाद में परिवारों को कुछ सामाजिक-आर्थिक समस्याओं से राहत मिली है। खासतौर पर महिलाओं ने इस बंदी का स्वागत इसलिए किया था, क्योंकि शराब की वजह से उनकी जिंदगी में बहुस्तरीय उत्पीड़न के हालात कमजोर हुए थे। लेकिन अगर अब भी इतनी आसानी से लोगों को न केवल शराब मिल रही है, बल्कि उसमें जहर मिला कर बेचने वाले भी कामयाब हो रहे हैं, तो यह विचार करने की जरूरत है कि इस मसले पर सरकार का फैसला कितना व्यावहारिक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युद्धरत देश और दिशाहीन विपक्ष

तरुण विजय

भारत एक साथ अनेक मोर्चों पर युद्धरत है। अभी चीन के साथ तवांग मेंहुई मुठभेड़ नेभारतीय सैनिकों के बढ़े हुए मनोबल और चीनी अहंकार के टूटनेका परिचय दिया। पूरेदेश नेइसका अभिनंदन किया, लेकिन क्या इसमें किसी विपक्षी दल का कोई स्वर सुनाई दिया? सेक्युलर और कम्युनिस्ट दल, जो फिलीस्तीन, ईरान, सऊदी अरब आदि के मामलों पर अक्सर बोलते रहतेहैं, भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्यऔर पराक्रम पर चुप ही नहीं रहे, बल्कि सत्तारूढ़ दल को घेरनेके प्रयास करते रहे। जब संसद में कांग्रेस को चीन सरकार सेसवा करोड़ रुपये (राजीव गांधी फाउंडेशन) को मिलनेका प्रश्न उठा, तो कांग्रेस ने सदन ही नहीं चलने दिया। तमाम कथित सेक्युलर सरकारों के मुखिया एक बार भी सैनिकों का मनोबल बढ़ाने वाले शब्द नहीं कहते।

उनका देश वहीं तक सीमित होता है, जहां तक उनके वोट होते हैं। अगर ऐसा नहीं है, तो भारतीय सेना के जवानों के शौर्य के प्रति उनका यह उदासीन रवैया देखने को नहीं मिलता। विपक्ष के साथ मुश्किल यह है कि वह हर काम को वोट के नजरिये से देखता है। चीन से 1962 सेही हमारा रक्तरंजित वैमनस्य चला आ रहा है। दोनों देशों के हजारों वर्ष पुराने संबंध हैं। महाभारत में मानसरोवर और चिन देश का उल्लेख मिलता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी चीन का उल्लेख है। एक सहस्त्राब्दी पूर्व भारत से दो सौ से अधिक बौद्ध विद्वान चीन गये और वहां बौद्ध मत का प्रसार किया। कुमारजीव को तंग वंश के राजा ने राजगुरुगु की उपाधि दी थी। आज भी चीन में उनके दस से अधिक मंदिर हैं। कुंगफू से चीन को भारत के कांची क्षेत्र से गये बोधिधर्म ने परिचित कराया। वहां उनका नाम अत्यंत आदर से लिया जाता है। फिर ऐसा क्या हुआ कि वह अपने सबसे निकटतम मित्र और गुरुगु के विरुद्ध हुआ? इसका कारण चीन की कम्युनिस्ट विचारधारा में ढूंढा जा सकता है। जब से चीन में इस विचारधारा का उद्भव हुआ, भारत के प्रति शत्रुता का विस्तार हुआ। चीन के कम्युनिस्ट विस्तारवादी राष्ट्रीयता को मानते हैं। उनकी जिद है कि जहां-जहां चीन ने अतीत में अपने क्षेत्र घोषित किये, उन्हें वापस लेना है।

भारतीय भू-भाग में अक्साई चिन (अक्षय चिह्न) से लेकर अरुणाचल तक वह अनेक भारतीय क्षेत्र चीन के मानता है। दक्षिण चीन सागर में भी उसने जापान से लेकर अनेक सागर तटीय देशों के साथ शत्रुता बांध रखी है। भारत के नाथुला एवं तवांग क्षेत्रों

के निकट अनेक नये कृत्रिम गांव बनाकर चीनी सैनिकों को बसा दिया है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान को ऋण देकर तथा निवेश कर भारत के विरुद्ध घेराबंदी उसका कूटनीतिक आक्रमण ही है। शी जिनपिंग 2013 में पहली बार चीन के राष्ट्रपति बने और उन्होंने अपने पूर्ववर्ती च्यांग छेमिन की नीतियां उलटते हुए हिंसक आक्रामकता को अपनाया। भारत की चीन के साथ कुल सीमा 3488 किलोमीटर है। चीन इसे केवल दो हजार किलोमीटर मानता है। घुसपैठ की सर्वाधिक घटनाएं लद्दाख और अरुणाचल में हुईं क्योंकि ये क्षेत्र उसके लिए अधिक सामरिक महत्व के हैं। साल 1967 में चूमर घाटी में भारत ने चीन को जबरदस्त चोट पहुंचायी थी और उसके बाद हुए समझौते के चलते गलवान की घटना से पहले 53 वर्षों में दोनों देशों के सैनिकों के बीच एक भी गोली नहीं चली। वर्ष 1993 में हुए समझौते में उल्लेख है कि सीमा पर कोई हथियार जमा नहीं होंगे, सैनिकों की बड़ी संख्या में तैनाती नहीं होगी, यदि कोई सैन्य अभियान करना है, तो एक-दूसरे को सूचना दी जायेगी। कारगिल युद्ध के समय चीन नेपाकिस्तान का साथ नहीं दिया था। शी के आनेके बाद चीन ने सभी पूर्व समझौते तोड़े। हर वैश्विक मंच पर भारत का तीव्र विरोध शी के अहंकार और विस्तारवाद का परिचयात्मक मुख्य बिंदु बना है। माना जा रहा है कि भारतीय सीमा क्षेत्र में चीनी सेना मुठभेड़ करती रहेगी। आवश्यक है कि सीमा वाले प्रदेश सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकें और अच्छी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं दें, जो आज नहीं हो रहा है। शत्रुता के बावजूद चीन से आयात में कमी नहीं आयी है। इस परिस्थिति के दो संदेश हैं- एक, भारत को चीन से बड़ी आर्थिक शक्ति होना होगा और दूसरा, हमारी सैन्य शक्ति अधिक बलशाली बनानी होगी। देश की एकजुटता और रक्षा के संबंध में सबका एक साथ आना आवश्यक होता है। साल 1962 के युद्ध में कम्युनिस्टों ने चीन का साथ दिया था।

इस पर कांग्रेस सरकार ने श्वेत पत्र जारी किया था। सुरक्षा पर बंटा हुआ राजनीतिक नेतृत्व शत्रु की सबसे बड़ी सहायता करता है। यह कहना कि चीन अपनी सेना पर भारत से पांच गुना ज्यादा खर्च करता है या चीन की सेना भारत से दो गुनी बड़ी एवं उनकी अर्थ व्यवस्था वैश्विक महाशक्ति बनाने की ओर बढ़ रही है, पराजयवादी सोच है। हम भी आगे बढ़ रहे हैं। आज चीन भारत से बड़े युद्ध से डरता है, क्योंकि उसका आर्थिक ढांचा चरमरा जायेगा।

डेटा संप्रभुता समय की मांग

डॉ अश्विनी महाजन

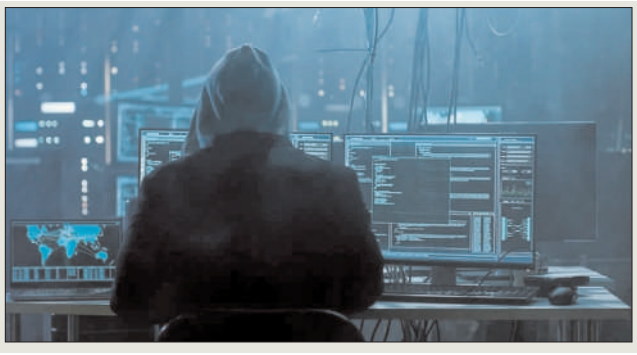

हाल में डिजिटल निजी डेटा संरक्षण विधेयक, 2022 के प्रारूप को साझा करते हुए इस संदर्भ में सरकार ने 17 दिसंबर, 2022 तक लोगों से सुझाव मांगे। गौरतलब है कि आज लोगों की निजी जानकारी एप, वेबसाइट, सेवा प्रदाता समेत विभिन्न डिजिटल माध्यमों से साझा की जाती है। हम जानते हैं कि इस डिजिटल युग में जब हम किसी एप को डाउनलोड करते हैं, तो हमें विभिन्न प्रकार की अनुमतियां देने हेतु पूछा जाता है। यदि उपभोक्ता इसके लिए मना करता है, तो उस एप का इस्तेमाल ही नहीं किया जा सकता। यही बात डिजिटल समाचार पत्रों, विभिन्न सेवा प्रदाताओं और अन्य प्रकार की वेबसाइट पर भी लागू होती है। ऐसे में लोगों की इन निजी जानकारियों का संरक्षण या उस निजी जानकारी का बिना उनकी सहमति के अन्य द्वारा प्रयोग प्रतिबंधित करने के लिए एक कानून की जरूरत महसूस की जा रही थी। इस विधेयक में यह प्रावधान है कि चाहे किसी व्यक्ति ने पहले से अनुमति दी हुई हो, तो भी उसे 'कंसेंट मैनेजर' के माध्यम से वापस लिया जा सकता है।

विधेयक में यह भी प्रावधान है कि 18 साल से कम आयु के व्यक्तियों (किशोर व बच्चे) द्वारा बिना अभिभावकों की अनुमति के उन एप या सेवाओं का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस संबंध में एक बोर्ड के गठन का भी प्रावधान है, जो इस कानून के संबंधित पक्षों को स्पष्टता प्रदान करेगा। सरकार द्वारा देश की एकता एवं संप्रभुता, सुरक्षा, अन्य देशों से मित्रतापूर्ण संबंध या अपराध हेतु उकसावा को रोकने जैसे मामलों के संदर्भ में सरकार को विधेयक के प्रावधानों से मुक्त रखा गया है। इस प्रयास को सही दिशा में एक कदम माना जा रहा है, लेकिन विशेषज्ञों की राय है कि विधेयक में कई सुधारों की गुंजा गुंइश है। कानून का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर 500 करोड़ रुपये तक के दंड का प्रावधान है। आलोचकों का मानना है कि गूगल, फेसबुक, आमेजन और अन्य बड़ी टेक कंपनियों के व्यवसाय को देखते हुए यह राशि उनके आकार और डेटा के दुरुपयोग से उन्हें होने वाली कमाई की तुलना में बहुत कम है। कई मुल्कों में कानून के ऐसे उल्लंघन की दंड राशि कंपनियों के लाभों के प्रतिशत के रूप में भी निश्चित की गयी है। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

एक अन्य आपत्ति यह है कि इस कानून के पालन हेतु जिस बोर्ड का गठन किया जाना है, उसके सदस्यों की संख्या और योग्यता के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। विधेयक का कहना है कि यह कोई नियामक बोर्ड नहीं है। ऐसे में किसी नियामक संस्था का होना भी जरूरी है, लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत में निजता के बारे में लोग संवेदनशील हैं। हम लोग तो तमाम निजी जानकारियां पेट्रोल पंप पर ही किसी अनजान व्यक्ति को दे देते हैं। निजता और व्यक्तिगत जानकारियों के प्रति संवेदनशीलता का आना बाकी है, लेकिन हमें समझना होगा कि हमारी निजी और गैर निजी जानकारियों का खासा आर्थिक महत्व है। आज के युग में डेटा की उपयोगिता और उसके महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। आज हम औद्योगिक क्रांति 4.0 के मध्य में हैं। डेटा के उपयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दम पर वह संभव है, जो अभी तक मानव मस्तिष्क नहीं कर पाया है। आज दुनियाभर की शक्तियां इस डेटा को कब्जाने की फिराक में हैं।

भारत में लगभग 80 करोड़ लोग आज स्मार्टफोन से विभिन्न प्रकार की एप का उपयोग कर रहे हैं। बड़ी ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया कंपनियां, गूगल सर्चईंजन एवं जीओ मैपिंग आदि निजी डेटा, आदतों, सामाजिक संबंधों, वित्तीय व्यवहार और खरीद-फरोख्त समेत विभिन्न प्रकार के डेटा का संवर्धन कर अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शक्ति को लगातार बड़ा रही हैं और ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने की कोशिश कर रही हैं। उपयोगी डेटा का वितरण अत्यधिक असमान है। जब वैश्विक शक्तियां इस डेटा को हासिल करने के लिए सभी रास्ते तलाश रही हैं, भारत को न केवल देश में उत्पादित डेटा का स्वामी होने की आवश्यकता है, बल्कि देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर डेटा की गणना करने की भी आवश्यकता है। लोगों का डेटा और उसके माध्यम से उन्हीं का शोषण डेटा अर्थव्यवस्था की खासियत बन रही है। जरूरत है एक ऐसेकानून की, जिसके माध्यम से देश के डेटा पर देश का संप्रभुअधिकार हो। उस डेटा का संवर्धन कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विभिन्न प्रकार की अन्य जानकारियों पर बड़ी टेक, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया कंपनियों का एकाधिकार होने से रोका जाए।

हमें समझना होगा कि निजी डेटा का ही अनामीकरण और प्रसंस्करण कर उससे गैर निजी डेटा का निर्माण होता है और उसके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के वित्तीय समेत आर्थिक और सामाजिक व्यवहारों के बारे में जानकारियां एकत्र की जाती हैं। यह भी समझना होगा कि विकसित देश अपनी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता को सुविधाजनक बनाने के लिए डेटा के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय कर रहे हैं। डेटा का मुक्त प्रवाह विकसित और विकासशील देशों के बीच एक असममित संबंध बनायेगा तथा विकासशील देशों की फर्मों को नुकसानदेह स्थिति में डाल देगा। इसलिए डेटा का विनियमन बहुत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की व्यापार और विकास रिपोर्ट, 2018 कहती है, देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे अपने डेटा को नियंत्रित करें और अपने डेटा का उपयोग/साझा करने और इसके प्रवाह को विनियमित करने में सक्षम हों।

सेहत के लिए वरदान है तुलसी

तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक है। तुलसी का इस्तेमाल भोजन से लेकर दवाओं तक में किया जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स मौजूद होते हैं। तुलसी में जिंक, आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी, ए, ई, के आदि पाए जाते हैं। यह एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक्स गुणों से भरपूर होता है। शारीरिक बीमारियों के साथ बाल और स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में तुलसी काफी सहायक है।

तुलसी की पत्तियां खाने से शरीर की कई समस्याओं में मिलती है राहत

कान के दर्द में लाभदायक

तुलसी की पत्तियां कान के दर्द और सूजन से आराम दिलाने में भी असरदार है। अगर कान में दर्द है तो तुलसी-पत्र-स्वरस को गर्म करके 2-2 बूंद कान में डालें। इससे कान दर्द से जल्दी आराम मिलता है। इसी तरह अगर कान के पीछे वाले हिस्से में सूजन (कर्णमूलशोथ) है तो इससे आराम पाने के लिए तुलसी के पत्ते तथा एरंड की कोंपलों को पीसकर उसमें थोड़ा नमक मिलाकर गुनगुना करके लेप लगाएं। कान दर्द से राहत दिलाने में भी तुलसी के पत्ते खाने से फायदा मिलता है।

मुंह की बदबू से छुटकारा

अगर आपके मुंह से बदबू आती हैं, इससे राहत पाने के लिए आप तुलसी की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए आप रोजाना तुलसी की 4-5 पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं।

त्वचीय समस्याओं में राहत

अगर आप स्किन की समस्याओं से परेशान हैं, तो तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मुंहासे, खुजली जैसी समस्या से बचाने में मदद करती हैं। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों का पेस्ट तैयार कर लें, अब इसे मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं। इस मिश्रण को आप चेहरे पर लगा सकते हैं। हफ्ते में इस प्रक्रिया को दो बार कर सकते हैं।

सिर दर्द में आराम

ज्यादा काम करने या अधिक तनाव में होने पर सिरदर्द होना एक आम बात है। अगर आप भी अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं तो तुलसी के तेल की एक दो बूंदें नाक में डालें। इस तेल को नाक में डालने से पुराने सिर दर्द और सिर से जुड़े अन्य रोगों में आराम मिलता है। सबसे जरूरी बात यह है कि तुलसी के उपयोग करने का तरीका सही होना चाहिए।

सर्दी-खांसी से बचाव

तुलसी की पत्तियों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी वायरल गुण मौजूद होते हैं। जो किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं। अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है, तो आप तुलसी की चाय पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए पानी में 8-10 तुलसी की पत्तियां डालें, अब इसे उबाल लें। फिर इसे छानकर गुनगुना कर लें। आप नियमित रूप से इसका सेवन कर सकते हैं। यह खांसी में कारगर साबित हो सकता है।

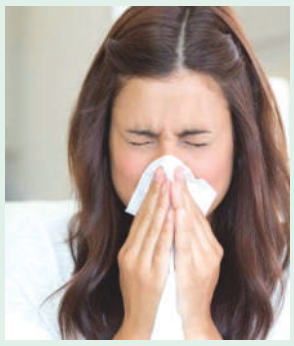

हंसना मना है

अध्यापक ने एक बच्चे से पूछा: हजार के बाद लाख, फिर करोड़, फिर अरब आता है, अरब के बाद क्या आता है? छात्र ने कहा: सर! अरब के बाद ईरान आता है।

एल के जी के बच्चे को इम्तहान में जीरो मिला। पिता: (गुस्से से) यह क्या है ? बच्चा- पापा, मैम के पास स्टार खत्म हो गए तो उन्होंने मुझे मून दे दिया।

टीचर: तुम कहां पैदा हुए? स्टूडेंट: सर, तिरुवनंतपुरम में टीचर: स्पेलिंग बताओ स्टूडेंट: सर, अब मुझे लगता है, मैं गोवा में पैदा हुआ था।

एक कंजूस सेठ जब मरने को हुआ तो एक रिश्तेदार ने कहा- अब तो आप मर ही रहे हैं, जाते-जाते समाज के लिए कुछ दे जाइए।

सेठ: अब जान तो दे रहा हूं , इससे ज्यादा क्या चाहिए समाज को। मोटू (अपने मित्र छोटू से): तुम्हारी दादी हर समय बैठी रामायण पढ़ती रहती हैं? छोटू- हां, वह अपनी अन्तिम परीक्षा की तैयारी कर रही हैं।

लड़की: लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए, लड़का: ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है...

कहानी | कबूतर और चींटी

गर्मियों का मौसम था, एक चींटी को बहुत तेज प्यासी लगी थी। वह पानी की खोज में यहां-वहां भटकने लगी। कुछ ही देर में वह एक नदी के पास पहुंच गई। लेकिन चींटी सीधे उस नदी में नहीं जा सकती थी। इस वजह से वह एक छोटे से पत्थर पर चढ़ गई और वहीं से झुककर नदी का पानी पीने की कोशिश करने लगी। जैसे ही चींटी पानी पीने के लिए नीचे की तरफ झुकी वह नदी में गिर पड़ी। उसी नदी के किनारे एक पेड़ पर बैठा कबूतर यह सब देख रहा था। उसे चींटी की हालत पर दया आ गई और उस कबूतर ने चींटी को बचाने की योजना बनाई। उसने जल्दी से पेड़ की डाली से एक पत्ता तोड़कर नदी के पानी में बह रही चींटी के पास फेंक दिया। चींटी उस पत्ते पर चढ़कर बैठ गई और जब वह पत्ता नदी के किनारे पहुंचा, तो वह पत्ते से कूदकर जमीन पर आ गई। चींटी ने अपनी जान बचाने के लिए कबूतर को धन्यवाद किया और वहां से चली गई। कुछ दिनों के बाद उसी नदी के किनारे एक शिकारी आया। उसने कबूतर के घोंसले के पास अपना जाल बिछा दिया। जाल पर दाने फैलाकर वह पास के एक झाड़ी में छिपकर बैठ गया। कबूतर शिकारी और उसके जाल को नहीं देख सका। उसने जमीन पर जब दाना देखा, तो वह उसे चुगने के लिए नीचे उतर गया और शिकारी के जाल में फंस गया। उसी समय चींटी भी वहां आ गई थी। उसने कबूतर को शिकारी के जाल में फंसता हुआ देख लिया था। बेचारा कबूतर लाख प्रयास करने के बाद भी शिकारी के जाल से नहीं निकल पाया। इसके बाद शिकारी आया और जाल में फंसे कबूतर को उठाकर चलने लगा। तभी चींटी ने कबूतर की जान बचाने का फैसला किया। चींटी दौड़ती हुई आई और उसने शिकारी के पैर में काटना शुरू कर दिया। चींटी के काटने के कारण शिकारी को बहुत तेज दर्द होने लगा। उसने जाल को नीचे फेंक दिया और अपना पैर साफ करने लगा। इसी बीच मौका पाते ही कबूतर जाल से निकल गया और वह तेजी से उड़ गया। इस तरह चींटी ने कबूतर की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

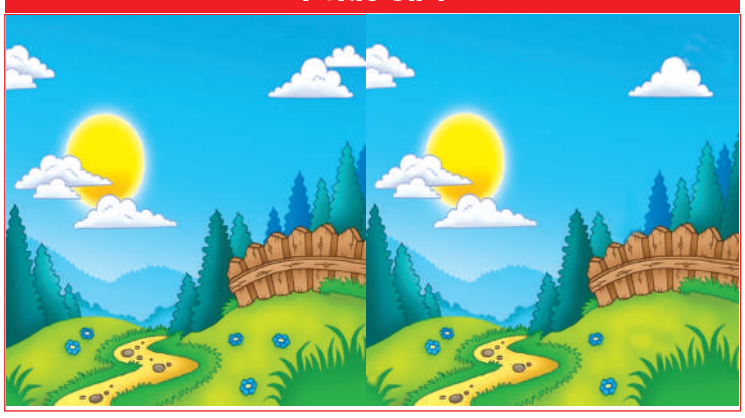

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बेकार का तनाव और चिंताएं ज़िंदगी का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह चूस सकती है। भलाई इसी में है कि इन आदतों को छोड़ दें, नहीं तो इनसे केवल आपकी परेशानियों में बढ़ोतरी ही होगी।

वृषभ

आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी हो सकती है। कोई जरूरी काम पूरा होने से आप खुश रहेंगे। आप किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं।

मिथुन

आज पढ़ाई लिखाई में तरक्की होगी। आपकी लीडरशिप क्वालिटी आपके करियर को बेहतर बनाने में फायदेमंद साबित होगी। किसी निश्चित प्रयोजन से कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

कर्क

अचानक यात्रा करना थकावट भरा साबित होगा। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। संपत्ति को लेकर विवाद खड़े हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है।

सिंह

आज किसी काम को पूरा करने में ज्यादा समय लग सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। ज्यादा भागदौड़ से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

कन्या

योग और अध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। विदेश यात्रा की संभावना रहेगी। आपके परिवार का साथ मिलेगा। आज आप नई योजना बनाएंगे।

तुला

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोतरी इसको संतुलित कर देगी।

वृश्चिक

आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा । आप माता-पिता के साथ मंदिर जा सकते हैं। आपको काम से जुड़ी परेशानियां से छुटकारा मिलेगा।

धनु

आज आपकी बौद्धिक क्षमताएं आपको कमियों से लड़ने में सहायता करेंगी। खुशी पाने के लिए अपने जज्बातों का खुलकर इजहार करें।

मकर

जो धुंध आपके चारों तरफ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयां हल हो जाएंगी।

कुम्भ

अगर आप नौकरी में ट्रांसफर के लिये कई दिनों से परेशान हैं, तो आज आपकी परेशानी खत्म हो सकती है। परिवार में खुशी बनी रहेगी। कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है।

मीन

आज सामाजिक स्तर पर वृद्धि होगी। रुपए-पैसे के मामले में अच्छी स्थिति रहेगी। मेहनत और लगन से काम करेंगे तो सफलता मिल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

रोहित बोले, गोविंदा को नहीं मिला कामयाबी का पूरा हक

साल बीतने को है और हिंदी सिनेमा को अब भी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा देने वाली एक और फिल्म का इंतजार अब भी बाकी है। रिलीज से पहले सितारों के साथ देश भर में शहर शहर घूमने की परिपाटी पर निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपनी अगली फिल्म 'सर्कस' से विराम लगाया है। वह फिल्म के कलाकारों के साथ टेलीविजन शोज पर खूब जा रहे हैं। और, एक दो कार्यक्रमों में भी हिस्सा ले रहे हैं लेकिन फिल्म 'सर्कस' साल की पहली फिल्म होने जा रही है जिसके सितारों ने फिल्म की रिलीज से पहले मीडिया से बात नहीं की। हां, इन सबको परिवार के साथ गुरुवार को मुंबई में रिलीज से एक दिन पहले फिल्म देखने का न्यौता जरूर मिला है। इस बीच रोहित ने एक कार्यक्रम में सुपरस्टार गोविंदा को लेकर भी अपने मन की बात कही है। निर्देशक रोहित शेट्टी की रणवीर सिंह के साथ ये 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' के बाद तीसरी फिल्म है। दोनों इसके अलावा एक विज्ञापन फिल्म में भी साथ काम कर चुके हैं। रोहित शेट्टी को रणवीर सिंह की ऊर्जा पर पूरा भरोसा है और अक्सर वे रणवीर की बातें करते करते गोविंदा तक पहुंच जाते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान रोहित ने माना कि फिल्म अभिनेता गोविंदा को उनके सुनहरे दौर में वैसी शोहरत नहीं मिल पाई जिसके वह हकदार थे। निर्देशक डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी की लगातार हिट फिल्मों की चर्चा करते हुए रोहित ने कहा कि उन दिनों सोशल मीडिया का जमाना नहीं था फिर भी इस जोड़ी ने एक दशक तक दर्शकों को लगातार हिट फिल्मों से खूब हंसाया।

सिटाडेल सीरीज में वरुण निभाएंगे मुख्य किरदार

कहा-शूटिंग का है बेसब्री से इंतजार

रूसो ब्रदर्स की अवेटेड सीरीज सिटाडेल अमेजन की पहली सबसे महंगी सीरीज है, जिसके दो एपिसोड्स द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और द रिंग्स ऑफ पावर दो दिसंबर को रिलीज हो चुकी हैं। सिटाडेल वेब सीरीज का बजट तकरीबन 235 मिलियन डॉलर है। हाल ही में प्राइम वीडियो ने सिटाडेल यूनिवर्स की भारतीय इन्स्टॉल्मेंट के मुख्य कलाकार की पुष्टि की, जो प्राइम वीडियो और रूसो ब्रदर्स के एबीजीओ की अपनी तरह की पहली ग्लोबल-इवेंट सीरीज है।

बॉलीवुड | मसाला

भारत की अनटाइटल्ड सिटाडेल सीरीज में वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे और इसका नेतृत्व प्रसिद्ध रचनाकार जोड़ी राज और डीके करेंगे, जो इस सीरीज के निर्देशक और शो रनर हैं। प्राइम वीडियो इंडिया के उपाध्यक्ष गौरव गांधी ने कहा कि टीम सिटाडेल को भारत में शुरू करने के लिए हम बेहद उत्साहित हैं। सिटाडेल वैश्विक फ्रेंचाइजी है, जो विश्व को एक दूसरे से जोड़ेगी। इस प्रोजेक्ट के साथ हम लोकल ओरिजिनल कंटेंट का प्रॉडक्शन करने के लिए बॉर्डरलेस एंटरटेनमेंट के अपने मिशन पर काम कर रहे हैं, जिसका आनंद दुनिया भर के दर्शक उठा सकते हैं। सिटाडेल के लोकल प्रॉडक्शंस कई देशों में हैं, जो एक इंटर-कनेक्टेड स्टोरीलाइन का निर्माण करते हैं। स्टोरीटेलिंग में यह अपनी तरह का पहला इनोवेशन है। उन्होंने आगे कहा कि फ्रेंचाइजी की इस सुपर रोमांचक भारतीय इन्स्टालमेंट में वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे और इस बात से हम बेहद खुश हैं। एक्शन से भरपूर इस स्पाई सीरीज को बनाने में राज और डीके के अलावा मुख्य भूमिका में वरुण के होने से सिटाडेल इंडिया चैप्टर न केवल भारत में ओरिजिनल प्रॉडक्शन के स्तर को ऊंचा करेगा, बल्कि भारत के रचनाकारों और प्रतिभा के अविश्वसनीय पूल पर ग्लोबल ध्यान भी खींचेगा। हम इसे भारत और दुनिया भर में अपने दर्शकों के साथ साझा करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकते। रचनाकार जोड़ी राज और डीके ने कहा, हम अपने काफी समय के साथी प्राइम वीडियो के साथ दो बहुत ही प्रेरणादायक फिल्म निर्माताओं और रचनाकारों रूसो ब्रदर्स द्वारा रूपांकित इस ग्लोबल इवेंट सीरीज का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हम विशेष रूप से बहुमुखी और गतिशील वरुण के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

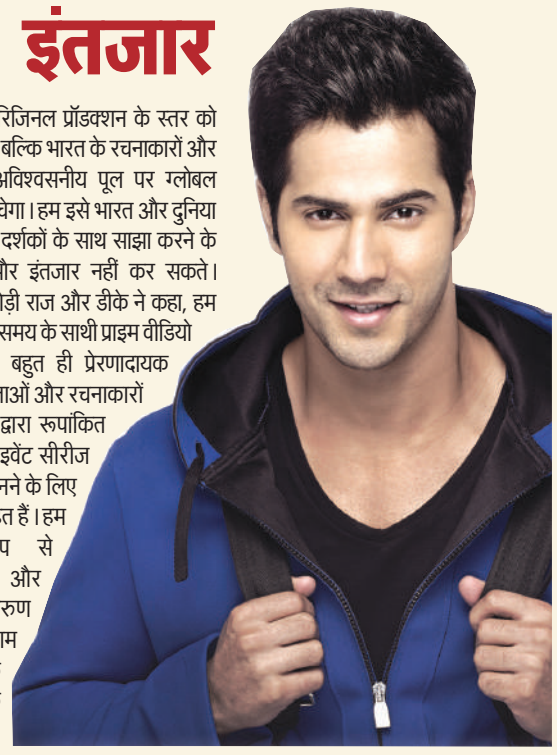

जब टीम हारती है तो बहुत दु:ख होता है: शाहरुख

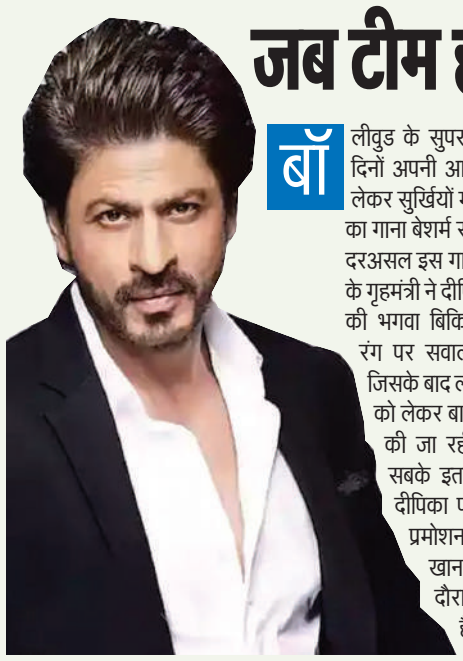

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म का गाना बेशर्म रंग खूब चर्चा में है। दरअसल इस गाने में मध्यप्रदेश के गृहमंत्री ने दीपिका पादुकोण की भगवा बिकिनी और हरे रंग पर सवाल उठाया है। जिसके बाद लगातार फिल्म को लेकर बायकॉट की मांग की जा रही है। लेकिन इन सबके इतर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। अब शाहरुख खान ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक ऐसा दर्द बयां किया है, जिसे सुनने के बाद उनके फैंस भी भावुक हो सकते हैं। शाहरुख खान ने बताया कि एक समय ऐसा था कि जब वह अपने बच्चों के साथ कमरे में अकेले बैठकर रोते थे। एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान ने बताया कि बात साल 2014 की है जब आईपीएल मैच अबू धाबी में हो रहे थे। उस समय हमारी टीम लगातार हार रही थी। उस समय मैं अपने बच्चों के साथ बैठता था और हम सभी खूब रोते थे। हम रोते हुए ये कहते थे- अरे यार आज फिर से हार गए, बड़ा दुख हो रहा है। शाहरुख खान ने आगे कहा कि जब ये मैच भारत में होने लगे तब हमारी टीम जीतने लगी और हमने 2014 में आईपीएल की ट्रॉफी भी जीती। शाहरुख ने आगे कहा कि कोई बताए या न बताए लेकिन जब टीम हारती है तो बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा, जिंदगी में चाहे जितना ज्ञान दे लो कि ये नहीं होता वो नहीं होता, लेकिन जब टीम हारती है तो बहुत दुख होता है। बात करें शाहरुख खान की फिल्म पठान की तो ये 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी हैं। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसपर जमकर विवाद हो रहा है। बहुत से लोग इसे रिलीज न करने की भी धमकी दे रहे हैं। अब देखना यह है कि इस विवाद का पठान पर कोई असर होता है या फिर इसके उलट विवाद को फिल्म को फायदा मिलता है।

2014 के आईपीएल में अपनी टीम की हार को किया याद

अजब-गजब | 450 साल से इस चर्च में रखी है एक संत की डेड बॉडी

आज भी निकलता है जिससे खून

भारत में लाखों की संख्या में चर्चा है और बात गोवा की करें तो वहां पर हजारों की संख्या में चर्च है। भारत के सभी चर्च में कुछ ना कुछ ऐसा है जिसके कारण वो एक दूसरे से अलग हैं। लेकिन पुराने गोवा में एक ऐसा चर्चा है जो भारत में मौजूद सभी चर्च से पूरी तरह से जुदा है। इस चर्च में एक ईसाई संत की डेड बॉडी को बीते 450 सालों से सहेज कर रखा गया है। माना जाता है कि इस डेड बॉडी में कई दिव्य शक्तियां मौजूद हैं और इसमें से आज भी खून निकलता है।

पुराने गोवा में बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस नामक एक चर्च है। इस चर्च में सभी धर्मों के लोग आते हैं। हर साल 6-9 फरवरी तक गोवा में चलने वाले कार्निवल में इस चर्च में हजारों की संख्या में लोग आते हैं। गोवा के पणजी में स्थित इस चर्च में ही बीते 450 सालों से फ्रांसिस जेवियर नामक शख्स की बॉडी रखी हुई है। कहा जाता है कि फ्रांसिस जेवियर की डेड बॉडी में आज भी दिव्य शक्तियां मौजूद हैं, जिसके कारण यह खराब नहीं होती है। हर 10 साल बाद लोगों के दर्शन के लिए यह बॉडी रखी जाती है। इस बॉडी को कांच के ताबूत में रखा गया है औप आखिरी बार साल 2014 में इसे लोगों के दर्शन करने के लिए रखा गया था। फ्रांसिस

जेवियर का जन्म 7 अप्रैल 1506 ई। को स्पेन में हुआ था। फ्रांसिस जेवियर संत बनने से पहले एक सिपाही थे और वो इग्नाटियस लोयोला के छात्र थे। माना जाता है कि इग्नाटियस लोयोला जीसस के आदेशों के संस्थापक थे। गोवा पर जब पुर्तगालियों का राज था, तब वहां के राजा जॉन थर्ड और उस वक्त के पोप ने जेसुइट मिशनरी बनाकर फ्रांसिस जेवियर को गोवा में धर्म के प्रचार के लिए भारत भेजा था। उन्होंने सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि चीन और जापान समेत आस-पास के देशों में ईसाई धर्म की लोगों को दीक्षा दी थी। फ्रांसिस जेवियर जब चीन की यात्रा पर जा रहे थे, उस दौरान उनकी मौत हुई थी। माना जाता है कि सेंट जेवियर ने अपने आखिरी दिनों में कहा था कि अपने शिष्यों को गोवा में ही शव दफनाने के लिए कहा था। इसके बाद सेंट जेवियर के शिष्यों ने उनके शव को गोवा में ही दफना दिया। लेकिन सालों बाद रोम से कुछ संतों का एक डेलिगेशन वापस आया था, जिसके बाद उनके शव को कब्र से बाहर निकाला गया था और उसके बाद उनके शव को वापस दफनाया गया था।

जीप को देख हाथी को आ गया गुस्सा फिर गजराज ने कर दिया हमला

तमाम लोगों को प्रकृति से बहुत प्यार होता है। इसी प्यार की खातिर वह कई बार जंगल सफारी के लिए निकल जाते हैं। जहां जंगली जानवर और हरे-भरे पेड़-पौधों को देखकर उनके मन को असीम शांति प्राप्त होती है। लेकिन कई बार जंगल सफारी का उनका ये शौक उनके लिए मुसीबत बन जाता है। जैसा कि सोशल मीडिया में आज हमें मिले कुछ पर्यटकों के लिए बन गया। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ पर्यटक जीप में सवार होकर जंगल सफारी के लिए निकले हैं। इसी दौरान एक हाथी की नजर जीप पर पड़ जाती है और वह जीप को देखकर गुस्सा हो जाता है। फिर क्या था हाथी जीप पर हमला कर देता है। उसके बाद जीप का ड्राइवर रिवर्स गियर में ही जीप को तेजी से चलाने लगता है, लेकिन हाथी का गुस्सा शांत नहीं होता और वह जीप के पीछे-पीछे तेजी से भागने लगता है। ये सब देखकर जीप में सवार सभी पर्यटक बुरी तरह से डर जाते है और जोर-जोर से चिल्लाने लगते हैं। हाथी तेजी से जीप के पीछे भागता है लेकिन ड्राइवर अपनी सूझबूझ से जीप को उल्टा ही दौड़ता रहता है। इस दौरान जीप में सवार सभी पर्यटकों की चीख पुकार सुनी जा सकती है। उसके बाद क्या हुआ ये इस वीडियो में नहीं है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि जीप के ड्राइवर की समझ के चलते उन सभी की जान बच गई होगी। क्योंकि जंगल सफारी के लिए जाने वाले ड्राइवर जंगल के नियमों से अच्छी तरह से बाकिफ होते हैं। बता दें कि हाथी समेत सभी जंगली जानवर जंगल में इंसानों की मौजूदगी पसंद नहीं करते। क्योंकि हाल के सालों में इंसान ने जंगलों को तेजी से नुकसान पहुंचाना शुरु कर दिया है जिससे जानवरों के रहने के लिए जंगल कम पड़ने लगे हैं।

दिल्ली और कई राज्यों में कल से सितम ढहाएगी शीतलहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। कंपकंपी छुड़ा देने वाली ठंड ने लोगों के जनजीवन को अस्त व्यस्त कर रखा है। तापमान में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। घने कोहरे के कारण सड़कों पर गाड़ियां रेंगती दिखाई दे रही हैं। वहीं, कल यानी 23 दिसंबर से उत्तर भारत में शीतलहर का प्रकोप देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग की माने को अगले पांच दिनों तक दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान में शीतलहर का असर देखने को मिल सकता है। सुबह के समय हवा की रफ्तार भी तेज रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश

और ओडिशा सहित महाराष्ट्र में भी गरज के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है। देश के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। पूर्वोत्तर भारत के बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ मध्यम कोहरा रहने की संभावना जताई गई है।

प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान
दिल्ली	6 डिग्री सेल्सियस	21 डिग्री सेल्सियस
लखनऊ	10 डिग्री सेल्सियस	25 डिग्री सेल्सियस
पटना	12 डिग्री सेल्सियस	26 डिग्री सेल्सियस
शिमला	-2 डिग्री सेल्सियस	11 डिग्री सेल्सियस
देहरादून	7 डिग्री सेल्सियस	19 डिग्री सेल्सियस
मसूरी	-4 डिग्री सेल्सियस	8 डिग्री सेल्सियस
श्रीनगर	-2 डिग्री सेल्सियस	9 डिग्री सेल्सियस

राजधानी के तापमान में गिरावट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह आठ बजे तापमान गिरकर 6 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं यहां आज का अधिकतम तापमान 21 तो न्यूनतम सात डिग्री रहेगा। राजधानी में जिस तरह से तापमान में गिरावट हो रही है उससे लग रहा है कि आने वाले दिन जनता के लिए मुश्किल भरे होंगे।

गुजरात के अस्पताल की अलमारी में बेटी, बेड के नीचे मिली मां की लाश

» दिल दहला देने वाली घटना से मच गया हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही अस्पताल में मां और बेटी दोनों के शव मिले हैं। बताया जा रहा है कि बेटी का शव ऑपरेशन थियेटर की अलमारी में मिला और फिर पलंग के नीचे से मां की लाश मिली। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया।

अहमदाबाद के कागडापीठ पुलिस थाने की सीमा के भीतर भूलाभाई पार्क के पास स्थित अस्पताल के अंदर से बहुत दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर के अंदर एक अलमारी को अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा खोला गया। अलमारी खुलते ही सभी के होश उड़ गए। अंदर जो नजारा था वह भयावह था। दरअसल, उस अलमीरा में एक 30 साल की महिला का शव रखा हुआ था। इसके बाद जब आसपास और भी जांच की गई तो वहीं बिस्तर के नीचे एक और महिला का शव मिला जो कि उस महिला की मां बताई जा रही है। घटना सामने आने के बाद अस्पताल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय थाने का पुलिस अमला अस्पताल पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर : दूध में पानी मिलाने के आरोपी दूधिया को एक साल कैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। दूध में पानी मिलाने पर बांसगांव सिविल न्यायालय ने बेलघाट के एकौना बुजुर्ग निवासी दूधिया सभाजीत यादव को एक साल के कारावास की सजा सुनाई। दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना नहीं जमा करने पर एक माह की सजा और भुगतनी पड़ेगी। मामले की सुनवाई 12 साल से चल रही थी, जिस पर 19 दिसंबर को फैसला आया।

12 साल बाद आया अदालत का फैसला

खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त कुमार गुंजन ने बताया कि तत्कालीन खाद्य निरीक्षक चंद्रभानु ने विशेष छापामार अभियान के तहत 24 फरवरी 2010 को सिकरीगंज तिराहे के पास

मोटरसाइकिल से दूध वितरित करने जाते समय सभाजीत से भैंस के दूध का नमूना एकत्रित किया था। इसे जांच के लिए लैब भेजा गया था।

जांच रिपोर्ट में दूध में पानी मिले होने की पुष्टि हुई। इस पर न्यायालय सिविल जज जूनियर डिविजन के यहां पीएफए एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। सुनवाई के दौरान दोष सिद्ध पाए जाने पर न्यायालय ने सभाजीत यादव के खिलाफ एक साल का कारावास और दो हजार रुपये के आर्थिक दंड की सजा सुनाई।

नए साल से बदल जाएंगे कई नियम लैपटॉप पर नहीं चलेगा गूगल क्रोम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साल 2022 के खत्म होने में चंद दिन शेष हैं। इसके बाद जनवरी से देशभर में कई नए नियम लागू किए जा रहे हैं। नए नियमों के दायरे में गूगल समेत कई कई टेक फेंडली सर्विस शामिल होंगी। इन सभी बदलावों के बारे में हर किसी का मालूम होना चाहिए। वरना गूगल और ऑनलाइन पेमेंट यूजर्स को जोरदार नुकसान उठाना पड़ सकता है।

गूगल ने ऐलान किया है कि उसकी तरफ से विंडो 7 और 8.द्य के लिए जनवरी 2023 से नए क्रोम वर्जन का सपोर्ट बंद कर दिया जाएगा। इसका मतलब विंडो 7 और 8.1 वर्जन वाले लैपटॉप में क्रोम ब्राउजर का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। विंडो 7 और 8.1 के लिए ऑफिशियल सपोर्ट को बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में पुराने लैपटॉप में 1

जनवरी 2023 के बाद गूगल क्रोम का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उधर, कार्ड से पेमेंट के लिए कार्ड नंबर और एक्सपायरी डेट दर्ज करनी होगी। एक जनवरी 2023 से गूगल कार्ड नंबर और एक्सपायरी डेट जैसी कार्ड डीटेल को सेव नहीं करेगा। ऐसे में ऑनलाइन पेमेंट करने पर 1 जनवरी के बाद मैन्युअली ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कार्ड नंबर के साथ एक्सपायरी डेट याद रखनी होगी। दरअसल ऐसा आरबीआई की गाइडलाइंस के तहत किया जा रहा है, जिससे ऑनलाइन पेमेंट को पहले से सुरक्षित बनाया जा सके।

बंद होगी गूगल की स्टेडिया गेमिंग सर्विस

गूगल अपनी क्लाउड गेमिंग सेवा स्टेडिया को बंद कर रहा है। यह सेवा 18 जनवरी, 2023 तक खिलाड़ियों के लिए लाइव रहेगी। गूगल, गूगल स्टोर के माध्यम से खरीदे गए सभी स्टेडिया हार्डवेयर के साथ-साथ स्टेडिया स्टोर से खरीदे गए सभी गेम और ऐड-ऑन सामग्री को वापस कर देगा। गूगल ने स्टेडिया के ज्यादा पॉपुलर न होने की वजह से इसे बंद करने का निर्णय लिया है।

राहुल की यात्रा ने ठंड में बढ़ाई हरियाणा की तपिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का हरियाणा में आज दूसरा दिन है। यात्रा बृहस्पतिवार सुबह छह बजे आकेड़ा गांव से शुरू होकर फिरोजपुर नमक पहुंच गई है। इस दौरान कड़ाके की ठंड व धुंध के बीच लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

राहुल गांधी 14 किलोमीटर पैदल चलकर शाम को चार बजे मेवात क्षेत्र के गांधीग्राम घासेड़ा पहुंचेंगे। राहुल गांधी यात्रा के पहले दिन सैनिकों से मिलने के बाद दूसरे दिन यानी आज हरियाणा के किसानों से मुलाकात करेंगे। मेवात के घासेड़ा गांव में राहुल गांधी एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

वहीं, हरियाणा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान की प्रतिष्ठा जुड़ी

हुई है। यात्रा को सफल बनाने का दारोमदार इन्हीं के कंधों पर है। प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में फहैंड मिलने के बाद हुड्डा और उदयभान की यह दूसरी बड़ी परीक्षा है। आदमुपर उपचुनाव में दोनों नेता भजनलाल परिवार और भाजपा के सामने अपना दमखम दिखा चुके हैं, भले जयप्रकाश जेपी को 15 हजार से अधिक वोट से हार का सामना करना पड़ा था।

यात्रा के पहले चरण में राष्ट्रीय महासचिव व कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा और विधायक एवं पूर्व सीएलपी किरण चौधरी पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी। तीनों नेता हुड्डा विरोधी हैं। रणदीप शुरू से राहुल के साथ यात्रा में हैं और पूरा प्रबंधन संभाल रहे हैं। किरण और सैलजा भी आदमपुर उपचुनाव के दौरान यात्रा का हिस्सा बन चुकी हैं। तीनों नेता हुड्डा के साथ मिलकर राहुल संग किस तरह कदमताल करते हैं, यह देखने लायक होगा।

यात्रा विफल करने की साजिश : कुमारी शैलजा

कोविड-19 के चलते भारत जोड़ो यात्रा को रोक देने की सलाह को हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रभारी कुमारी शैलजा ने यात्रा विफल करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि सरकार यात्रा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से विचलित हो गई है।

कोरोना पर अलर्ट सरकार, सदन में दिखा प्रोटोकॉल, अब सड़कों की बारी

सीएम की उच्चस्तरीय बैठक में निर्णय, मास्क पहनने के लिए फैलायी जाएगी जागरुकता

» दिल्ली में प्रधानमंत्री आज लेंगे हाई लेबल मीटिंग

» कोरोना के नये वेरिएंट को लेकर बरती जा रही सतर्कता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना को लेकर सरकार दिल्ली से लखनऊ तक अलर्ट मोड में आ गई है। गुरुवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर लोगों को मास्क पहनने और प्रोटोकाल का पालन करने के लिए जागरुकता फैलाने का निर्णय लिया है।

उधर, आज सदन में भी पूरी तरह प्रोटोकाल का पालन होता दिखाई दिया। संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, स्पीकर ओम बिरला, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ समेत सभी सांसद मास्क पहने नजर आये। अब सरकार ने सदन के बाद सड़कों पर भी लोगों को मास्क पहनाने की तैयारी शुरू कर दी है आज प्रधानमंत्री मोदी भी दिल्ली में कोरोना पर हाईलेबल मीटिंग करेंगे।

चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय टीम-9 के साथ बैठक की है। इस दौरान उन्होंने कोरोना की मौजूदा स्थिति को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा नए वैरिएंट पर नजर रखने और हर पॉजिटिव केस की जीनोम सिक्वेंसिंग कराए जाने के लिए भी कहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने निर्देश में कहा कि कोविड टेस्टिंग और टीके की प्रीकॉशन डोज को बढ़ाएं। यूपी में स्थिति सामान्य है इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि सतर्कता और सावधानी की जरूरत है। आइसीसीसी से सहयोग लेने के साथ ही एएनएम, आशा बहनों और आंगनबाड़ी को एक्टिव करें। विभिन्न देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच मुख्यमंत्री ने कोविड प्रबंधन के लिए गठित उच्चस्तरीय टीम-09 के साथ निर्देश दिए हैं।

अजय राय का महिला आयोग पर वार पूछा, क्या विपक्ष की नेता महिलाएं नहीं

» कांग्रेस नेता को महिला आयोग ने स्मृति को लेकर दिये बयान पर भेजा नोटिस

» कांग्रेस-भाजपा नेताओं की जुबानी जंग में महिला आयोग भी कूद गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के नेता अजय राय के बयान ने उनके लिए मुश्किल कड़ी कर दी थी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कांग्रेस नेता अजय राय की तरफ से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर संज्ञान लिया है।

आयोग ने मामले में सुनवाई निर्धारित की है और अजय राय को 28 दिसंबर को दोपहर 12 बजे पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया है। वहीं, अब अजय राय ने राष्ट्रीय महिला आयोग की नोटिस पर बयान दिया है। उन्होंने गाजीपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह महिला आयोग की ओर से भेजे गए नोटिस का जवाब देंगे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से पार्टी के एजेंडा को लेकर बातचीत की स्मृति ईरानी पर दिए गए बयान पर अजय राय ने कहा कि वह महिला आयोग की नोटिस का जवाब देंगे। वह इस मामले में खुद के ऊपर हुए मुकदमे के खिलाफ भी कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अजय राय ने यह भी कहा कि जब उनके पार्टी लीडर सोनिया गांधी को अपशब्द बोले गए, तब महिला आयोग की नोटिस क्यों नही आई।

तेलंगाना में खोया गौरव फिर हासिल करेंगे : नायडू

» आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू ने खम्मम में की विशाल रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

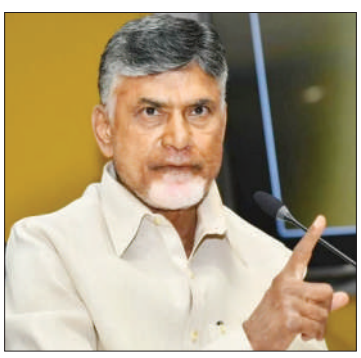

खम्मम। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायडू ने विश्वास जताया कि पार्टी तेलंगाना में अपने पुराने गौरव को फिर से हासिल करेगी। एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारी संख्या में लोगों का आना इस बात का संकेत है कि पार्टी राज्य में अपने पुराने गौरव को फिर से हासिल करेगी। टीडीपी ने शक्ति प्रदर्शन का आयोजन किया, जो 2018 के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद तेलंगाना में पहला है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा कि उन्हें कभी भी सत्ता की लालसा नहीं रही, बल्कि हमेशा स्नेह चाहने वाले लोगों के करीब रहना चाहते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि टीडीपी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की थी। नायडू ने कहा कि उन्होंने हमेशा दो तेलुगु राज्यों के लोगों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक दृष्टि के साथ काम किया। हैदराबाद और दोनों तेलुगु राज्यों के अन्य हिस्सों में शुरू किए गए विकास कार्यों को सूचीबद्ध करते हुए, टीडीपी नेता ने बताया कि कैसे उनकी कड़ी मेहनत अब परिणाम देने लगी है।

उन्होंने कहा-मैंने हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कॉरिडोर बनाने के लिए संघर्ष किया ताकि युवाओं को बेहतर रोजगार मिल सके और अधिक कमाई हो सके। अब, आप सभी जानते हैं कि न केवल देश में, बल्कि दुनिया भर में तेलुगु राज्यों के युवाओं को कैसे नौकरियां मिल रही हैं। यह टीडीपी है जिसने पिछड़े वर्गों (बीसी) को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह दिवंगत एनटी रामाराव थे जिन्होंने समाज के दलित वर्गों के उत्थान के लिए गरीबों के लिए 2 रुपये प्रति किलो चावल, रियायती बिजली की आपूर्ति और आवास जैसे कई कल्याणकारी उपायों की शुरूआत की थी। यह कहते हुए कि टीडीपी 40 साल पूरे कर रही है और बेहतर भविष्य के लिए एक नई शुरूआत करेगी, पूर्व मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में जनता और पार्टी नेताओं से टीडीपी के पिछले गौरव को फिर से हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

सुभासपा को सपा दे सकती है बड़ा झटका!

» राजभर से नाराज उनकी पार्टी के कई नेता बताये जा रहे अखिलेश से संपर्क में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर बयानबाजी जारी है। वहीं समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर का पलटवार भी हो रहा है। इसी बीच सुभासपा के दो बागी नेताओं ने अखिलेश यादव से मुलाकात की है।

सुभासपा के बागी नेता महेंद्र राजभर और त्रिवेणी राम बुधवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय पहुंचे। इस दौरान दोनों काफी समय तक वहां रहे। इसके बाद अरुण राजभर ने सपा नेता उदवीर सिंह को निशाने पर लिया। दरअसल, दोनों बागी नेता उदवीर सिंह के साथ नजर आए थे। अरुण राजभर ने कहा कि उदयवीर सिंह दोनों को अपनी गाड़ी में अखिलेश यादव से मिलवाने ले गए थे। सुभासपा नेता का आरोप है कि सपा के इशारों पर ही महेंद्र राजभर ने सुभासपा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे।

अरुण राजभर ने ट्वीट कर लिखा, सुभासपा को बदनाम करने के लिए अखिलेश यादव लगे हुए थे और उदयवीर सिंह को भी लगा रखे थे। 2 दलालों को पार्टी ऑफिस में चोरों की तरफ लेकर मिले, दोनों दलालों को लालच दिया, जिम्मेदारी दिया झंडा, टोपी बनवा दूंगा पैसा दूंगा सिर्फ सुभासपा पर झूठा-झूठा अरोप लगाकर बदनाम करो। पोल खुल गई। इसके जवाब में सपा नेता राजीव राय ने लिखा, जाति के नाम पर राजनीति की दुकान चलाने वालों को बर्दाश्त नहीं कि उनकी जाति के गरीबों की मदद मऊ में राजीव राय करें। जिन सैकड़ों राजभर बच्चों को गोद लिया हूं, इलाज करवाता हूं, कोरोना मे विदेशों में फंसे युवकों को वापस जिंदा, जो मर गए उनका शरीर वापस लाया,उनसे आप कभी मिले?

इसके बाद उन्होंने लिखा, यादव जाति की राजनीति भी आप जैसे लोग करते हैं। अखिलेश यादव ऑफिस में दूसरे दलों के नेताओं को पैसा लालच सपना दिखा कर चोरों की तरह बुलाकर मिलते हैं। सुभासपा ने जितना काम वंचितों गरीबों और समाज के लिए किया है। उतना आप जीवन भर नहीं कर पाएंगे, सिर्फ चापलूसी करिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।